

संविधान (संशोधन) बिल 2026

एक सरल गाइड

परिचय

2013 संविधान की समीक्षा क्यों की गई ?

संविधान, फीजी की शासन प्रणाली का आधार है। यह तय करता है कि सार्वजनिक संस्थान कैसे काम करेंगे, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा करता है और देश की भविष्य की दिशा तय करने में मदद करता है।

पिछले कुछ वर्षों में, कई लोगों, समुदायिक समूहों, पारंपरिक नेताओं, धार्मिक संगठनों, कानूनी विशेषज्ञों और नागरिक समाज के समूहों ने 2013 के संविधान के बारे में अलग-अलग विचार व्यक्त किए है। कुछ लोगों का मानना था कि संविधान के कुछ हिस्से अच्छे हैं और उन्हें बनाए रखा जाना चाहिए। वहीं कुछ अन्य लोगों का मानना था कि फीजी की बदलती ज़रूरतों और आकांक्षाओं को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए, संविधान के कुछ हिस्सों में सुधार, उन्हें नया या मजबूत करने की ज़रूरत है। एक आम चिन्ता यह है **कि 2013 का संविधान फीजी की जनता ने नहीं बनाया था। सुप्रिम कोट ने 29 अगस्त 2025 के अपने फैसले में इस बात का जिक किया था, जब वह मंत्रीमण्डल द्वारा भेजे गए 2013 संविधान में संशोधन के प्रावधानों से जुड़े सवालों पर विचार कर रहा था।**

इसके परिणामस्वरूप, फीजी की जनता से परामर्श करने और यह तय करने के लिए क्या संवैधानिक सुधार की ज़रूरत है, एक "संविधान समीक्षा कमिशन" Constitution Review Commission का गठन किया गया। इस कमिशन ने पूरे फीजी का दौरा किया, लोगों से लिखित सुझाव लिए और देश भर के लोगों, संगठनों तथा समाजों के विचार सुने। इन सुझावों पर विचार करने के बाद, कमिशन ने अपनी रिपोर्ट में अपने निष्कर्ष और सिफारिशें सरकार को सौंपी। इस रिपोर्ट के साथ एक ड्राफ्ट या प्रस्तावित संविधान भी पेश किया गया।

ड्राफ्ट संविधान में संशोधन क्यों किया गया है?

संविधान समीक्षा कमिशन द्वारा तैयार किए गए ड्राफ्ट संविधान को कभी भी अंतिम संविधान नहीं माना गया था।

कमिशन की रिपोर्ट मिलने के बाद, सरकार ने इसकी सिफारिशों की बारीकी से समीक्षा की और कई कानूनी, आर्थिक, प्रशासनिक तथा नीतिगत पहलुओं पर विचार किया।

सरकार ने कमिशन की कई सिफारिशों को स्वीकार कर लिया, लेकिन कुछ मामलों में अलग दृष्टिकोण अपनाया। ये बदलाव निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखते हुए किए गए हैं:

- **इसे लागू करने की व्यावहारिक स्थितियाँ।**
- **आर्थिक लागत और लम्बे समय की स्थिरता।**
- **वर्तमान की संवैधानिक और कानूनी व्यवस्थाएं।**
- **राष्ट्रीय स्थिरता और निरंतरता।**
- **लोक प्रशासन की ज़रूरतें।**
- **समीक्षा प्रक्रिया के दौरान सामने आए अन्य नीतिगत पहलू।**

परिणामस्वरूप, संसद के समझ पेश "संविधान" बिल 2026 या प्रस्तावित कुछ मामलों में कमिशन के मूल ड्राफ्ट से अलग है। यह सार्वजनिक परामर्श प्रक्रिया नागरिकों को सरकार के प्रस्तावित संस्करण पर विचार करने और यह बताने का मौका देती है कि क्या, किए गए बदलाव उचित हैं।

विधायी प्रक्रिया क्या है?

संविधान संशोधन बिल 2026 को कानून बनने से पहले कई चरणों से गुज़रना होगा।

पहला चरण – पहली बार पढ़ना
बिल को औपचारिक रूप से संसद में पेश किया गया और सार्वजनिक विचार-विमर्श के लिए प्रकाशित किया गया।

दूसरा चरण – दूसरी बार पढ़ना
संसद में बिल पर बहस हुई, इसे दूसरी बार पढ़ा गया और इस पर मतदान हुआ।

तीसरा चरण – विशेष संसदीय कमिटी द्वारा समीक्षा
बिल को एक विशेष संसदीय कमिटी के पास भेजा जाता है। यह कमिटी प्रस्तावित संविधान की समीक्षा करती है, जनता और संबंधित साझेदारों से परामर्श करती है और संसद को अपनी रिपोर्ट सौंपती है।

चौथा चरण – तीसरी बार पढ़ना
इसके बाद संसद बिल की सामग्री पर बहस करती है। बिल पर अंतिम मतदान होने से पहले, इसमें संशोधन का प्रस्ताव रखा जा सकता है और उनपर विचार किया जा सकता है।

पाँचवा चरण – जनमत संग्रह (रेफरेंडम)
अगर संसद दो-तिहाई बहुमत से प्रस्तावित संविधान को मंजूरी दे देती है, तो इसे एक राष्ट्रीय जनमत संग्रह के माध्यम से फीजी की जनता के समक्ष रखा जाएगा।
जनमत संग्रह के दौरान, रेजिस्टड मतदाताओं को सीधे तौर पर यह तय करने का मौका मिलेगा कि प्रस्तावित संविधान को अपनाया जाना चाहिए या नहीं।

छठा चरण – नया संविधान लागू होना
अगर जनमत संग्रह सफल रहता है और सभी संवैधानिक ज़रूरतें पूरी हो जाती हैं, तो राष्ट्रपति नए संविधान पर हस्ताक्षर करेंगे। इसके बाद बिल में दिए गए प्रावधानों के अनुसार यह संविधान लागू हो जाएगा। इसके लागू होने की प्रस्तावित तारीख इक्तीस 31st मार्च 2028 है।

आपकी आवाज़ अभी क्यों मायने रखती है?

प्रक्रिया का यह चरण नागरिकों के लिए फीजी के संवैधानिक भविष्य को आकार देने के सबसे महत्वपूर्ण अवसरों में से एक है।

बिल पर आगे की बहस और विचार-विमर्श के लिए संसद में वापस आने से पहले, संसद लोगों की राय जानना चाहती है।

आपकी प्रतिक्रिया निर्णय लेने वालों की इन कार्यों में मदद कर सकती है:

- **उन क्षेत्रों की पहचान करना जिनमें सुधार की ज़रूरत है**
- **समाज की चिंताओं को समझना।**
- **प्रस्तावित प्रावधानों को मजबूत करना।**
- **संवैधानिक सुधारों में जनता का व्यापक भरोसा बढ़ाना।**
- **यह ध्यान में रखना कि संविधान में फीजी के लोगों के मूल्यों और आकांक्षाओं की झलक मिले।**

चाहे आप इन प्रस्तावों से सहमत हों, सहमत न हो, या आपको लगता है कि कुछ प्रावधानों में बदलाव किया जाना चाहिए – आपकी राय मायने रखती है।

संविधान फीजी की जनता का है, और इसमें जनता की भागीदारी यह ध्यान में रखने में मदद करता है कि भविष्य का कोई भी संविधान, वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों की आवाज़ को दर्शाए।

यह बिल क्यों मायने रखता है?

संविधान फीजी का सर्वोच्च कानून है। यह तय करता है कि हमारे देश का शासन कैसे चलेगा, नागरिकों के अधिकारों और आज़ादी की रक्षा करता है, और ऐसी संस्थाएं बनाता है जो लोगों की सेवा करती है।

संविधान (संशोधन) बिल 2026 में कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में बदलाव का प्रस्ताव है। इनमें राष्ट्रीय पहचान, मानवाधिकार, ज़मीन और वातावरण संरक्षण, संसद, शासन व्यवस्था, न्यायपालिका, सार्वजनिक संस्थाएं, रोतुमा, बोसे लेवु वाकातुराँगा, आपातकालीन शक्तियाँ और संवैधानिक संशोधन शामिल है।

यह ब्रोशर प्रस्तावित बदलावों को स्पष्ट और सरल भाषा में समझाता है, ताकि सभी नागरिक इस बिल को समझ सकें और सोच समझकर अपनी राय दे सकें।

email: news@moc.gov.fj;
@FijiRepublic;
Fiji Government;
www.fiji.gov.fj
phone: 3301806

प्रस्तावना

फीजी का संविधान यहाँ के सभी लोगों का है। प्रस्तावना, संविधान का शुरूआती हिस्सा होती है, जो देश को एक तरह के इतिहास, पहचान और मूल्यों को रेखांकित करती है।

2013 संविधान की प्रस्तावना फीजी के लोगों, समान नागरिकता, संविधान को सर्वोच्च कानून के रूप में, और यहाँ के लोगों की प्रतिबद्धताओं को मान्यता देती है।

प्रस्तावित प्रस्तावना इसी आधार पर बनी है, जो फीजी की अनूठी ऐतिहासिक यात्रा और संवैधानिक विकास को मान्यता देती है। यह सभी समुदायों के योगदान को स्वीकार करते हुए, सभी फीजिवासियों के बीच अपनापन की भावना को मजबूत करती है। यह फीजी की संस्कृतियों, आस्थाओं और परंपराओं की समृद्ध विविधता का भी सम्मान करती है, जो देश की पहचान का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इसके अलावा, यह उन मूल्यों को मान्यता देती है जो फीजी के भविष्य का मार्गदर्शन करेंगे, और संविधान को बनाए रखने तथा उनकी रक्षा करने की लोगों की प्रतिबद्धता के लिए की ईश्वर को साक्षी मानती है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

प्रस्तावित प्रस्तावना:

- फीजी के इतिहास और उन लोगों को मान्यता देती है जो सबसे पहले इन द्वीपों पर आकर बसे थे।
- उन सभी समुदायों को स्वीकार करती है जिन्होंने फीजी को अपना घर बनाया है और हमारे देश के विकास में योगदान दिया है।
- फीजी की संस्कृतियों, भाषाओं परंपराओं और आस्थाओं के समृद्ध मिश्रण का जश्न मनाती है।
- समानता. मनवाधिकारों, न्याय, लोकतंत्र और कानून के शासन के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दोहराती है।
- सभी फीजिवासियों के बीच एकता, सम्मान और अपनापन की भावना को बढ़ावा देती है।

पहला चेप्टर
राज्य और स्थापना के नियम

इस चेप्टर का मतलब क्या है?

इस चेप्टर में फीजी के आदिवासी लोगों और वनुआ इज़मीनत्त, संस्कृति, परंपराओं और प्रथा वाली संस्थाओं के साथ उनके अनूठे संबंध को दर्शाने वाले संवैधानिक शब्द ईतउकेईनिवनुआ ओ विति को मान्यता देने का प्रस्ताव है।

यह चेप्टर फीजी के सभी नागरिकों के लिए, चाहे उनकी जातीयता, धर्म या वे कहीं से भी हो, "फीजियन" नागरिक के पहचान के रूप में बनाए रखने का भी प्रस्ताव है।
इस चेप्टर में ईसाई धर्म और पारिवारिक मुल्यों को फीजी के संस्थापक मुल्यों के हिस्से के रूप में मान्यता देने का भी प्रस्ताव है। यह फीजी के विकास में इसाई धर्म के एतिहासिक योगदान को स्वीकार करता है, साथ ही धार्मिक स्वतंत्रता और धर्म तथा राज्य को अलग-अलग रखने को भी बनाए रखता है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

इन प्रस्तावों का उद्देश्य है फीजी के सभी नागरिकों के लिए समान नागरिकता को बनाए रखते हुए, मूल निवासियों यानि आदिवासियों की पहचान के बारे में अधिक स्पष्टता लाना।

ईसाई धर्म को मान्यता देना फीजी में इसकी ऐतिहासिक भूमिका को दर्शाता है, जबकि धार्मिक स्वतंत्रता का संरक्षण यह ध्यान में रखता है कि सभी धर्मों और आस्थाओं को समान सम्मान और सुरक्षा मिलती रहे।
पारिवारिक मूल्यों को मान्यता देना, सामाजिक ज़िम्मेदारी और राष्ट्र की भलाई में मज़बूत परिवारों के महत्व को उजागर करता है।

जनता की राय के लिए सवाल

- क्या आप "इतउकेईनिवनुआ ओ विति" को मान्यता देने के प्रस्ताव का समर्थन करते है?
- क्या सभी नागरिकों को एक पहचान "फीजियन" ही रहनी चाहिए?
- क्या आप ईसाई धर्म और पारिवारिक मूल्यों के रूप में मान्यता देने का समर्थन करते है?
- आप इसमें किस तरह के बदलाव का सुझाव देना चाहेंगे?

चेप्टर दो
मानवाधिकार

इस चेप्टर का मतलब क्या है?

यह चेप्टर मानवाधिकारों के लिए संवैधानिक सुरक्षा को मजबूत करता है।

यह अधिकारों को सिमित करने के लिए एक स्पष्ट प्रक्रिया निर्धारित करता है। अधिकारों को केवल कानून के माध्यम से ही सीमित किया जा सकता है, और वह भी तब, जब ऐसा प्रतिबंध किसी प्रजातांत्रिक समाज में उचित और न्यायसंगत हो।

यह चेप्टर संसद और सरकार के लिए यह अनिवार्य बनाता है कि वे संवैधानिक अधिकारों को सीमित करने वाले किसी भी कानून का स्पष्टीकरण दें और उसे उचित ठहराएं।

यह बच्चों को दुर्व्यवहार, हिंसा और शोषण से बचाता है, साथ ही बच्चों के सर्वोत्तम हित को ध्यान में रखते हुए, उन्हें अनुशासित करने के कानूनी और संयमित तरीकों की अनुमति देता है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

इन सुधारों का उद्देश्य है अधिकारों और स्वतंत्रताओं को बेहतर सुरक्षा प्रदाब करना, साथही यह ध्यान में रखना कि सरकारी कार्यों के लिए जवाबदेही बनी रहे।

यह चेप्टर निर्णय लेने वालों से यह सावधानीपूर्वक विचार करने की अपेक्षा करता है कि क्या अधिकारों पर सीमाएं लगाना ज़रूरी है, और क्या कोई ऐसे विकल्प मौजूद हैं जिनमें कम पाबंदियाँ हों।

बच्चों की सुरक्षा पर विशेष ध्यान दिया गया है।

जनता की राय के लिए सवाल

- क्या आप अधिकारों को सीमित करने के प्रस्तावित ढाँचे का समर्थन करते है?
- क्या सुरक्षा उपाय काफी मजबूत है?
- बच्चों से जुड़े नियमों पर आपकी क्या राय है?
- आप किस तरह के सुधार का सुझाव देना चाहेंगे?

तीसरा चेप्टर

इस चेप्टर का मतलब क्या है?

यह चेप्टर ज़मीन, प्राकृतिक संसाधनों, वातावरण और सामूहिक अधिकारों की सुरक्षा करता है।

इसमें निम्नलिखित प्रस्ताव है:

- आने वाली पीढ़ियों के लिए ज़मीन और प्राकृतिक संसाधनों का टिकाउ प्रबंधन।
- जैव विविधता और वातावरण की दृष्टि से संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा।
- समाज से परामर्श, और बड़ी योजनाओं के मामले में, उनकी स्वतंत्र, पूर्व और सुचित सहमति लेना।
- स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण का संवैधानिक अधिकार
- ज़मीन और प्राकृतिक संसाधनों से जुड़े पारंपरिक मालिकों और अधिकारों को मान्यता देना।
- इतउकेई, रोतुमन और बनाबन लोगों की ज़मीन अधिकारों की सुरक्षा।
- आदिवासी भाषाओं और पारंरिक कानूनों को मान्यता देना
- संस्कृति, विरासत और महत्वपूर्ण सांस्कृतिक स्थलों की सुरक्षा

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

ज़मीन, संस्कृति और प्राकृतिक संसाधन फीजी की पहचान और भविष्य के विकास के लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

इस चेप्टर का उद्देश्य है वातावरण संरक्षण, पारंपरिक अधिकारों और आर्थिक विकास के बीच संतुलन बनाना, साथगी वर्तमान और आने वाली पीढ़ियों के हितों की रक्षा करना भी है।

जनता की राय के लिए सवाल

- क्या प्रस्तावित ज़मीन संरक्षण उपाय पर्याप्त है?
- क्या वातावरण के अधिकारों को संवैधानिक संरक्षण मिलना चाहिए?
- क्या ये प्रस्तावित विकास और संरक्षण के बीच सही संतुलन बनाते है?
- आप किन बदलाव का सुझाव देंगे?

चौथा चेप्टर
संसद

इस चेप्टर का मतलब क्या है?

यह चेप्टर फीजी की संसदीय और चुनावी प्रणालियों में बड़े सुधारों का प्रस्ताव रखता है।

इसके तहत दो अलग अलग सदन को वापस लाने का प्रस्ताव है जैसे कि:

- पचपन सदस्यों का संसद; "हाउस ओफ रिप्रेजेंटेटिव्स"
- तईस 23-सदस्यों का सेनट

प्रस्तावित पचपन "सदस्यीय हाउस ओफ रिप्रेजेंटेटिव्स" पहले निचले सदन की शुरूआती संरचना है। सीटों की संख्या और उनका बंटवारा "कोन्सटीटूशनल बाउंड्रीस कमिशन" या संवैधानिक सीमा कमिशन और इलेक्टोरल कमिशन या चुनाव आयोग के काम के बाद बदल सकता है। यह कमिशन जनसंख्या और अन्य संबंधित कारकों के आधार पर निर्वाचन क्षेत्रों की सीमाएं और प्रतिनिधित्व की ज़रूरतें तय करेंगे। बशर्ते, किसी भी प्रस्तावित बदलाव को लिखित कानून के ज़रीए लागू किया जाए।

हालाँकि रोतुमा, यसावा, कन्दावू, लोमाईविति तथा लाउ के लिए विशेष समुद्री निर्वाचन क्षेत्र होंगे। इससे यह ध्यान में रखा जाएगा कि भविष्य में सीमाओं की समीक्षा या सीटों की कुल संख्या में बदलाव होने पर भी, संसद में इनका सीधा प्रतिनिधित्व बना रहे।

इस चेप्टर में मिक्स्ड मेंबर प्रोपोशनल एम.एम.पी चुनावी प्रणाली को भी शामिल किया गया है, जो निर्वाचन क्षेत्रों के प्रतिनिधियों और पार्टी-सूची यानि पार्टी लिस्ट के प्रतिनिधियों को एक साथ लाती है।

यह प्रस्तावित मिश्रित प्रणाली नागरिकों को स्थानीय प्रतिनिधियों को चुनने का मौका देती है, साथ ही कुल आनुपातिक प्रतिनिधित्व को भी बनाए रखती है। स्वतंत्र उम्मीदवार निर्वाचन क्षेत्रों की सीटों पर चुनाव लड़ सकेंगे।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

प्रस्तावित व्यवस्था लोगों को संसद में एक ऐसा प्रतिनिधि देती है, जिसे वे आसानी से पहचान सकते हैं और जिसके प्रति वे जवाबदेही तय कर सकते हैं। साथही, यह ध्यान में रखा जाएगा कि राजनीतिक दलों को मिलने वाली सीटें उनके कुल वोट शेयर के अनुपात में हो।

सेनट कानूनों की समीक्षा के लिए एक अतिरिक्त स्तर प्रदान करती है, जिससे जाँच-परख और जवाबदेही बेहतर होती है। समुद्री क्षेत्रों के लिए विशेष निर्वाचन क्षेत्र यह भी ध्यान में रखेगा कि द्वीपीय समुदायों की संसद में सीधी आवाज़ हो। कुल मिलाकर, इस प्रस्ताव का उद्देश्य है बेहतर स्थानीय प्रतिनिधित्व, चुनाव के अधिक निष्पक्ष परिणाम और संसद में मजबूत नियंत्रण और संतुलन बनाए रखना।

चेप्टर पाँच
एक्ज़ेकुटिव (अधिकारी)

इस चेप्टर का मतलब क्या है?

इस चेप्टर में राष्ट्रपति, उप राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, मंत्रीमण्डल और अटोर्नी जेनरल के बारे में बताया गया है।
मुख्य प्रस्तावों में शामिल है:

- उप राष्ट्रपति के पद को फिर से बहाल करना।
- प्रधानमंत्री से परामर्श के बाद बोसेलेवू वाकातुराँगा द्वारा राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति की नियुक्तिफग
- राष्ट्रपति और उप राष्ट्रपति का कार्यकाल चार साल का होगा, जिसे एक बार बढ़ाया जा सकेगा।
- राष्ट्रपति की ताकत के बारे में अधिक स्पष्टता।
- मंत्रीमण्डल का आकार तय करने में लचीलापन।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

इस चेप्टर का उद्देश्य है राष्ट्रपति कार्यालय में निरंतरता को बेहतर बनाना, अधिकारों के पृथक्करण को मजबूत करना और कार्यकारी सरकार के लिए अधिक स्पष्ट संवैधानिक व्यवस्थाएं प्रदान करना है।

जनता की राय के लिए सवाल

- क्या आप उपराष्ट्रपति के पद को बहाल करने का समर्थन करते हैं?
- क्या आप राष्ट्रपति की नियुक्ति के प्रस्तावित तरीके का समर्थन करते हैं?
- क्या मंत्रीमण्डल में लचीलापन होना ज़रूरी है?
- आप किन बदलाव का सुझाव देंगे?

चेप्टर छ
न्यायपालिका

इस चेप्टर का मतलब क्या है?

इस चेप्टर में न्यायपालिका की स्वतंत्रता, भूमिका और संरचना को बनाए रखा गया है। साथ ही, न्याय व्यवस्था को और प्रभीवी, एकसमान और जबाबदेह बनाने के लिए कुछ बदलाव प्रस्तावित किए गए हैं।
प्रस्तावित मुख्य बदलावों में शामिल है:

- सभी न्यायधीशों के लिए, उनकी नागरिकता की परवाह किए बिना, सेवानिवृत्ति की एक समान आयु निर्धारित करना।
- सैन्य अपराधों की सुनवाई और उन पर निर्णय लेने के लिए एक सैन्य न्यायालय की स्थापना करना।
- सैन्य मामलों में निष्पक्षता सुनिश्चित करने के लिए स्वतंत्र अभियोजन व्यवस्था स्थापित करना।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

इन बदलावों का उद्देश्य है न्याय व्यवस्था में जनता का विश्वास, न्यायपालिका में लाना और यह ध्यान में रखना है कि सैन्य अपराधों से जुड़े मामलों को उचित कानूनी प्रक्रिया के तहत निपटाया जाए। साथ ही, न्यायपालिका की स्वतंत्रता और कानून के शासन को बनाए रखना भी महत्वपूर्ण है।

जनता की राय के लिए प्रश्न

- क्या आप सभी न्यायाधीरों के लिए सेवा निवृत्ति की एक समान आयु निर्धारित करने का समर्थन करते हैं?
- क्या फीजी में एक सैन्य न्यायालय स्थापित किया जाना चाहिए?
- आप किन बदलावों का सुझाव देना चाहेंगे?

चेप्टर सात

लोक सेवा

इस चेप्टर का मतलब क्या है?
इस चेप्टर का उद्देश्य है लोक सेवा की स्वतंत्रता को मज़बूत करना, साथ ही महत्वपूर्ण फैसलों में मंत्रियों की भूमिका भी बनाए रखना।

इस प्रस्ताव के तहत:
- पब्लिक सेर्विस कमिशन (PSC), संबंधित मंत्री से सलाह लेने के बाद स्थायी सचिवों की नियुक्ति करता रहेगा। अब प्रधानमंत्री की मंजूरी लेना जरूरी नहीं होगा।
- स्थायी सचिवों की नियुक्ति, अनुशासन और पद से हटाने की जिम्मेदारी पी.एस.सी की होगी।
- स्थायी सचिव अपने कर्मचारियों की नियुक्ति, उन्हें पद से हटाने और उनके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई करने का काम जारी रखेंगे। लेकिन वरिष्ठ पदों (निदेशक और उससे उपर के पदों) पर नियुक्ति के लिए ही मंत्रियों से सलाह ली जाएगी। पहले कर्मचारियों से जुड़े सभी फैसले में मंत्रियों से सलाह ली जाती थी।
- इस चेप्टर में अनुशासित बलों की निगरानी और सेना की भूमिका को भी स्पष्ट किया गया है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?
इन प्रस्तावों से लोक सेवा में कर्मचारियों की नियुक्ति के मामलों में राजनीतिक हस्तक्षेप कम होगा और योग्यता के आधार पर नियुक्तियों को बढ़ाता मिलेगा।

मंत्रियों को वरिष्ठ पदों पर अपनी राय देने का अवसर मिलता रहेगा, जबकि स्थायी सचिव अधिक स्वतंत्र रूप से काम कर सकेंगे। इसका उद्देश्य है लोक सेवा को अधिक पेशेवर, जवाबदेह और प्रभावी बनाना।

जनता की राय के लिए सवाल
- क्या आप नियुक्ति प्रक्रिया का समर्थन करते हैं?
- क्या स्वतंत्रता और जवाबदेही के बीच सही संतुलन बनाया गया है?
- आप इसमें सुधार का क्या सुझाव देंगे?

चेप्टर आठ

बोसे लेवु वकातुरांगा

इस चेप्टर का मतलब क्या है?
इस चेप्टर के तहत बोसे लेवु वकातुरांगा (BLV) को संविधान में फिर मान्यता देने का प्रस्ताव है। इसे संविधान में मान्यता देने से फीजी की सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक नेतृत्व को संरक्षण करने में मदद मिलेगी।

इससे देश में स्थिरता और एकता बनाए रखने में भी मदद मिल सकती है। साथ ही, पारंपरिक नेताओं को राष्ट्रीय मामलों मे एक मान्यता प्राप्त भूमिका मिलेगी, जिससे प्रमुख संवैधानिक संस्थाओं पर जनता का विश्वास बढ़ सकता है।

बोसे लेवु बकातुरांगा की जिम्मेदारियों में शामिल होंगे:
- राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति की नियुक्ति और उन्हें पद से हटाने से जुड़े मामले।
- सनेटरों के नाम प्रस्तावित करना।
- संवैधानिक व्यवस्था में पारंपरिक नेतृत्व का प्रतिनिधित्व करना।

प्रस्तावित संविधान के अनुसार, बोसे लेवु वकातुरांगा से जुड़े प्रावधानों में बदलाव करने के लिए सीनेट में BLV द्वारा नामित 15 सदस्यों में से कम से कम 9 सदस्यों की मंजूरी होगी।

इसका मतलब है कि संविधान में बोसे लेवु वाकातुरांगा और उससे जुड़े प्रावधानों में आसानी से बदलाव नहीं किया जा सकेगा।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?
इन प्रस्तावों का उद्देश्य है बोसे लेवु वाकातुरांगा के ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व को मान्यता देना। साथ ही, यह ध्यान में रखना कि इसकी भूमिका फीजी की लोकतांत्रिक संवैधानिक व्यवस्था के अंतर्गत हो।

जनता की राय के लिए सवाल
- क्या आप बोसे लेवु वकातुरांगा को संविधान में फिर से मान्यता देने का समर्थन करते हैं?
- क्या आप इसकी प्रस्तावित संवैधानिक जिम्मेदारियों का समर्थन करते हैं?
- क्या इन प्रावधानों को संविधान में अतिरिक्त सुरक्षा दी जानी चाहिए?

चेप्टर नौ

रोतुमा

इस चेप्टर का मतलब क्या है?
इस चेप्टर में फीजी और रोतुमा के बीच लंबे समय से चले आ रहे ऐतिहासिक संबंधों को मान्यता दी गई है।

प्रस्तावित संविधान में निम्नलिखित बातें शामिल है:
- रोतुमा के लिए संविधान में एक अलग अध्याय।
- रोतुमा की अलग पहचान, इतिहास और संस्थाओं को मान्यता देना।
- रोतुमा द्वीप परिषद (Rotuma island council) को मान्यता देना।
- रोतुमा की परंपरओं, भाषा और संस्कृति की रक्षा करना।
- राष्ट्रीय संस्थाओं में रोतुमा का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना।
- रोतुमा के अधिकारों और हितों से कानूनों की रक्षा करना।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?
इस चेप्टर का उद्देश्य है फीजी और रोतुमा के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधो को और मज़बूत करना, रोतुमा की पहचान और संस्कृति की रक्षा करना तथा यह ध्यान में रखना कि रोतुमा के लोग राष्ट्रीय मामलों में अपनी भागीदारी जारी रख सकें।

जनता की राय के लिए सवाल
- क्या आप रोतुमा के लिए संविधान में एक अलग अध्याय बनाने का समर्थन करते हैं?
- क्या प्रस्तावित सुरक्षा नियम पर्याप्त हैं?
- इसके लिए और कौन से कदम उठाए जाने चाहिए?

चेप्टर दस

आमदनी और पैसों का प्रबंधन

इस चेप्टर में सरकारी आमदनी से जुड़े संविधान के मौजूदा नियमों को काफी हद तक बरकरार रखा गया है।

इसके साथ ही, एक स्वतंत्र वेतन और लाभ कमिशन (Salaries and benefits commission) की स्थापना का प्रस्ताव है। यह कमिशन कुछ निर्धारित सरकारी पदों पर कार्यरत अधिकारियों के वेतन निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से तय करता है। साथ ही, वेतन संबंधी फैसलों में राजनीतिक हस्तक्षेप कम होगा और इन फैसलों पर जनता का विश्वास बढ़ेगा।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?
इन प्रस्तावों का उदेद्श्य है जवाबदेही, पारदर्शिता और सरकारी धन के सही प्रबंधन को बनाए रखना। साथ ही, वेतन संबंधी फैसलों पर राजनीतिक प्रभाव को कम करना भी इसका एक महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

जनता की राय के लिए सवाल
- क्या आप प्रस्तावित वेतन और लाभ कमिशन का समर्थन करते हैं?
- क्या सरकारी आमदनी में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए मौजूदा व्यवस्थाएँ पर्याप्त हैं?
- आप इसमें क्या सुधार का सुझाव देना चाहेंगे?

चेप्टर ग्यारह

व्यवहार के नियम

इस चेप्टर का मतलब क्या है?
इस चेप्टर में सरकारी अधिकारियों के लिए कुछ सिद्धांत तय किए गए हैं, जिनका पालन करना आवश्यक है:
- अपने निजी हितों और सरकारी जिम्मेदारियों के बीच टकराव से बचना।
- निष्पक्षता और ईमानदारी से काम करना।
- सरकारी पद का उपयोग निजी लाभ के लिए न करना।
- सरकार पर जनता के विश्वास को बनाए रखना।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?
यह चेप्टर सरकार में ईमानदारी, जवाबदेही और सही व्यवहार को बढ़ावा देता है। इसमें व्यवहार के मुख्य नियमों को संविधान में शामिल किया गया है, जबकि नियमों और उनके पालन को सुनिश्चित करने के तरीकों को कानून के माध्यम से तय किया जाएगा।

इससे संविधान के तहत जवाबदेही मजबूत होती है। साथ ही, संसद को समय के साथ व्यवहार के नियमों में सुधार करने और उन्हें आधुनिक जरूरतों के अनुसार बदलने की सुविधा मिलती है।

यह तरीका 2013 के संविधान में दिए गए व्यवहार नियम के अध्याय से एक कदम आगे है। 2013 के संविधान में केवल यह था कि कानून के माध्यम से व्यवहार नियम बनाई जाए।

जनता की राय के लिए सवाल
- क्या प्रस्तावित नियम उचित हैं?
- क्या संविधान में और अधिक जानकारी शामिल किया जाना चाहिए?
- जवाबदेही को और मजबूत करने के लिए कौन-से अतिरिक्त उपाय किए जाने चाहिए?

चेप्टर बारह

स्वतंत्र संस्थाएँ

इस चेप्टर का मतलब क्या है?
इस चेप्टर में स्वतंत्र संवैधानिक संस्थाओं के कामकाज के लिए एक व्यवस्था बनाई गई है।

मुख्य प्रस्तावों में शामिल है:
- संवैधानिक पदों के कमिशन में प्रधानमंत्री, अटोर्नी जनरल और विपक्ष के नेता को बनाए रखना। इससे महत्वपूर्ण नियुक्तियों के फैसलों में सरकार और विपक्ष, दोनों की भागीदारी सुनिश्चित होगी। इन नियुक्तियों में रिज़र्व बैंक के गवर्नर, फीजी सैन्य बल (RFMF) के कमांडर, पुलिस फोर्स और सरकारी खातों की जाँच करने वाले अधिकारी शामिल हैं। इससे निष्पक्षता, संतुलन और साझा जिम्मेदारी को बढ़ावा मिलता है।
- मौजूदा संवैधानिक कमिशन और अधिकारियों को जारी रखना, उनकी स्वतंत्रता बनाए रखना।
- लोकपाल का कार्यालय फिर से स्थापित करना।
- स्वतंत्र संस्थाओं के लिए एक जैसे मानक तय करना। इनमें पद से हटाने की प्रक्रिया, कार्यकाल, नियक्ति के लिए आवश्यक योग्यताएँ और प्रशासनिक जिम्मेदारियाँ शामिल हैं।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?
इन प्रस्तावों का उद्देश्य है जवाबदेही को मजबूत करना, संस्थाओं की भूमिकाओं को स्पष्ट करना और सरकार के कामकाज पर जनता की निगरानी को बेहतर बनाना।

जनता की राय के लिए सवाल
- क्या आप स्वतंत्र कमिशन और कार्यालयों के लिए एक जैसे नियम बनाने का समर्थन करते हैं?
- क्या आप लोकपाल का कार्यालय फिर से स्थापित करने का समर्थन करते हैं?
- आप इसमें सुधार के लिए क्या सझाव देना चाहेंगे?

चेप्टर तेरह

आपातकालीन शक्तियाँ

इस चेप्टर का मतलब क्या है?
इस चेप्टर में बताया गया है कि आपातकाल कैसे घोषित किया जा सकता है और इसे कैसे संभाला जाएगा।

प्रस्ताव के अनुसार:
- राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की सलाह पर मंत्रिमंडल आपातकाल घोषित कर सकता है।
- संसद को जल्द ही इस घोषणा की समीक्षा करके इसकी पुष्टि करनी होगी।
- संसद आपातकाल के दौरान लागू किए गए उपायों में बदलाव कर सकती है, उन्हे समाप्त कर सकती है या उन्हें मंजूरी देने से इनकार कर सकती है।

2013 के संविधान के तहत, पुलिस और सैन्य बल के कमांडर की सलाह पर प्रधान मंत्री आपातकाल घोषित कर सकते हैं।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?
इस प्रस्ताव से मंत्रिमंडल और संसद, दोनों की भूमिका बढ़ती है। इससे यह सुनिश्चिन करने में मदद मिलती है कि आपातकालीन शक्तियों का सही तरीके से उपयोग हो और इन पर जवाबदेही बनी रहे। इन शक्तियों का नियंत्रण केवल एक व्यक्ति के हाथ में नहीं होगा।

जनता की राय के लिए प्रश्न
- क्या आप आपातकालीन शक्तियों से जुड़े इस प्रस्ताव का समर्थन करते हैं?
- क्या सुरक्षा के लिए दिए गए नियम पर्याप्त हैं?
- आप इसमें क्या बदलाव सुझाना चाहेंगे?

चेप्टर चौदह

कानूनी छूट

इस चेप्टर में फीजी के संविधान में कई वर्षों से लागू कानूनी छूट से जुड़े मौजूदा नियमों को बनाए रखा गया है। इसमें भविष्य में बदलाव करने की अनुमति भी दी गई है, लेकिन इसके लिए देश में व्यापक सहमति होना जरूरी होगा।

इस व्यवस्था को जारी रखा जाएगा, ताकि निश्चितता और स्थिरता बनी रहे। साथ ही, भविष्य में यदि फीजी की जनता बदलाव चाहती है, तो इन प्रावधानों की समीक्षा करने का कानूनी रास्ता भी खुला रहेगा।

इस अध्याय में किसी भी बदलाव के लिए संसद के दोनों सदनों में तीन-चौथाई बहुमत जरूरी होगी। 2013 के संविधान में इस अध्याय के प्रावधानों में बदलाव करने की अनुमति नहीं है।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

इस अध्याय का उद्देश्य संविधान में स्थिरता बनाए रखना और कानून के बारे में निश्चितता देना है। साथ ही, भविष्य में संविधान में बदलाव करने का रास्ता भी उपलब्ध कराना है।

फीजी के सर्वोच्च न्यायालय ने हाल ही में माना कि देश की संवैधानिक व्यवस्था, जिसमें कानूनी छूट से जुड़ा अध्याय भी शामिल है, पर नागरिकों, व्यापारिक संस्थाओं और सरकारी संस्थानों ने कई वर्षों से भरोसा किया है।

यह व्यवस्था देश को शांतिपूर्ण, स्थिर और समृद्ध भविष्य बनाने पर ध्यान देने में भी मदद करती है।

जनता की राय के लिए प्रश्न

- क्या आप कानूनी छूट से जुड़े मौजूदा प्रवाधानों को बनाए रखने का समर्थन करते हैं?
- क्या आप बदलाव करने के लिए प्रस्तावित प्रकिया का समर्थन करते हैं?
- आप इसमें क्या बदलाव चाहते है?

चेप्टर पंद्रह

संविधान में बदलाव

इस चेप्टर का क्या मतलब है?

इस चेप्टर में बताया गया है कि भविष्य में संविधान में बदलाव कैसे किए जा सकते हैं।

संविधान में बदलाव करने के लिए प्रतिनिधि सभा और सीनेट, दोनों में कम से कम दो तिहाई सदस्यों का समर्थन जरूरी होगा।

संविधान के कुछ हिस्सों को बदलाव से अधिक सुरक्षा दी जाएगी। उदाहरण के लिए:

- कानूनी छूट वाले अध्याय में बदलाव: इसके लिए संसद के दोनों सदनों में तीन-चौथाई बहुमत जरूरी होगा।
- बोसे लेवु वकातुरांगा से जुड़े बदलाव: इसके लिए सनेट में बोसे लेवु वकातुरांगा द्वारा नामित 14 सदस्यों में से कम से कम 9 सदस्यों का समर्थन भी जरूरी होगा।
- रोतुमा से जुड़े अध्याय में बदलाव: इसके लिए पहले रोतुमा द्वीप परिषद के दो-तिहाई सदस्यों की मंज़री जरूरी होगी।

इन नियमों का उद्देश्य है यह सुनिश्चित करना कि संविधान में महत्वपूर्ण बदलाव व्यापक समर्थन मिलने पर ही किए जाएँ।

यह क्यों महत्वपूर्ण है?

संविधान ऐसा होना चाहिए जो स्थिर रहे, लेकिन जरूरत पड़ने पर उसमें बदलाव भी किए जा सकें।

इस अध्याय का उद्देश्य है संविधान में आसानी से बदलाव होने रोकना है। साथ ही, भविष्य की पीढ़ियों को जरूरत के अनुसार संविधान में सुधार करने और उसे बेहतर बनाने का अवसर देना भी है।

कानूनी छूट, बोसे लेवु वकातुरांगा और रोतुमा से जुड़े प्रावधानों को अतिरिक्त सुरक्षा दी गई है, क्योंकि संविधान में इनका विशेष महत्व है। इससे यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि इनसे जुड़े बदलावों के लिए अधिक व्यापक सहमति प्राप्त हो।

जनता की राय के लिए प्रश्न

- क्या संविधान में बदलाव करने के लिए प्रस्तावित नियम उचित हैं?
- क्या संविधान के कुछ नियमों को अधिक सुरक्षा दी जानी चाहिए?
- आप इसमें सुधार के लिए क्या सुझाव देना चाहेंगे?

चेप्टर सोलह

नए संविधान का लागू होना

इस चेप्टर का क्या मतलब है?

इस अध्याय में बताया गया है कि यदि प्रस्तावित संविधान को मंजूरी मिल जाती है, फीजी 2013 के संविधान से नए संविधान में कैसे बदलाव करेगा।

संविधान में बदलाव करना देश के लिए एक महत्वपूर्ण काम है। इसलिए यह जरूरी है कि इस बदलाव को सावधानी से पूरा किया जाए, ताकि सरकारी सेवाएँ, सरकारी संस्थाएँ, अदालतों की कार्यवाई, कानून और नागरिकों के अधिकार बिना किसी रूकावट के जारी रहें।

इस अध्याय के प्रस्ताव के अनुसार, नया संविधान 13 मार्च 2028 से लागू होगा।

इसमें संविधान के तहत बनाई जाने वाली नई संस्थाओं, जैसे सेनट और अन्य संवैधानिक संस्थाओं को स्थापित करने के लिए एक विस्तुत योजना दी गई है।

इस अध्याय में यह भी सुनिश्चित किया गया है कि बदलाव के दौरान मौजूदा व्यवस्था जारी रहे:

- मौजूदा कानून तब तक लागू रहेंगे, जब तक उनमें बदलाव नहीं किया जाता या उन्हे रद्ध नहीं किया जाता।
- मौजूदा सरकारी पदों पर कामकाज जारी रहेगा।
- सरकारी संस्थाएँ काम करती रहेंगी।
- सरकारी सेवाएँ जनता को मिलती रहेंगी।
- मौजूदा अधिकारों और जिम्मेदारियों की सुरक्षा बनी रहेगी।
- अदालतों में चल रहे मामलों की कार्यवाही बिना रूकावट जारी रहेगी।
- सरकारी धन और सरकार का कामकाज सामान्य रूप से चलता रहेगा।

इस अध्याय के तहत, सरकार को नए संविधान को लागू करने की प्रक्रिया संभालने और नई संवैधानिक व्यवस्था में बदलाव की निगरानी करने की जिम्मेदारी भी गई है।

अंत में, इस अध्याय में प्रावधान है कि नया संविधान लागू होने पर 2013 का संविधान और फीजी स्वतंत्र भ्रष्टाचार-रोधी कमिशन की घोषणा, 2007 (Fiji independent commission against corruption promulgation 2007) रद्ध कर दिए जाएँगे।

ज़मीन और वातावरण	जमीन के मालिकाना हक पारंपरिक अधिकारों की सुरक्षा थी।	जमीन, वातावरण और सामूहिक आधिकारों के लिए अलग अध्याय होगा। स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण में रहने का अधिकार भी शामिल होगा।
समुदाय की सहमति	समुदायों की सहमति लेने के लिए ऐसा कोई खास संवैधानिक नियम नहीं था।	समुदायों से सलाह लेना जरूरी होगा। बड़ी योजनाओं के लिए पहले से पूरी जानकारी देकर उनकी सहमति लेनी होगी।
संसद	संसद में एक सदन और 55 सदस्य थे।	संसद में दो सदन होंगे। प्रतिनिधि सभा में 55 और सेनट में 23 सदस्य होंगे।
चुनाव प्रणाली	चुनाव के लिए राष्ट्रीय चुनाव क्षेत्र की व्यवस्था थी।	चुनाव में चुने गए और राजनीतिक दलों की सूची से चुने गए, दोनों तरह के प्रतिनिधि होंगे।
स्वतंत्र उम्मीदवार	स्वतंत्र उम्मीदवारों के लिए ऐसी व्यवस्था नहीं थी।	स्वतंत्र उम्मीदवार भी चुनाव लड़ सकेंगे।
द्वीपों का प्रतिनिधित्व	कुछ द्वीपों के लिए अलग चुनाव क्षेत्र नहीं थे।	रोतुमा, यसावा, कन्दावु, लोमाईवीती और लाउ के लिए अलग चुनाव क्षेत्र होंगे।
उपराष्ट्रपति	उपराष्ट्रपति का पद नहीं था।	बोसे लेवु वकातुरांगा, प्रधान मंत्री से सलाह लेने के बाद, राष्ट्रपति की नियुक्ति करेंगे।
प्रधांन मंत्री के पद पर रहने का समय	प्रधान मंत्री के पद पर रहने का समय कि कोई तय सीमा नहीं थी।	प्रधान मंत्री के पद पर रहने का समय की कोई तय सीमा नहीं होगी।
न्यायाधीशों की रिटायमेंट	फीजी के नागरिक और विदेशी न्यायाधीशों की रिटायमेंट की उम्र अलग थी।	सभी न्यायाधीशों की अवकाश लेने की उम्र एक समान होगी।
सैन्य न्यायालय	सैन्य न्यायालय नहीं था।	सेना से जुड़े अपराधी की सुनवाई के लिए सैन्य न्यायालय बनाया जाएगा।
सरकारी नियुक्तियाँ	कुछ नियुक्तियों में राजनीतिक मंजूरी की अधिक जरूरत थी।	नियुक्तियों में योग्यता और सलाह- मशविरे को अधिक महत्व दिया जाएगा।
बोसे लेवु वाकातुरांगा	संविधान में इसे मान्यता नहीं दी गई थी।	इसे फिर से संवैधानिक मान्यता और जिम्मेदारियाँ दी जाएँगी।
रोतुमा	रोतुमा की पहचान को सामान्य रूप से मान्यता दी गई थी।	रोतुमा की संस्कृति, पहचान और प्रतिनिधित्व की सुरक्षा के लिए अलग अध्याय होगा।
वेतन और सुविधाओं कि कमिटी	स्वतंत्र कमिटी नहीं था।	वेतन और सुविधाओं की समीक्षा कत लिए स्वतंत्र कमिटी बनाया जाएगा।
व्यवहार के नियम	संविधान में व्यवहार के बारे में अधिक विस्तृत नियम थे।	संविधान में मुख्य नियम होंगे। बाकी नियम कानून के जरिए बनाए जाएँगे।
जनता की शिकायतें सुनने वाला अधिकारी	जनता की शिकायतें सुनने वाला कार्यालय नहीं था।	लोगों की शिकायतों और सरकारी जवाबदेही से जुड़े मामलों के लिए कार्यालय फिर से शुरू होगा।
FICAC (भ्रष्टाचार रोकने की संस्था)	FICAC को संविधान में मान्यता प्राप्त थी।	FICAC को संवैधानिक व्यवस्था से हटाया जाएगा। इनके काम पुलिस और (DPP) को दिए जाएँगे या वापस सौंपे जाएँगे।
आपातकाल	प्रधान मंत्री और सुरक्षा अधिकारियों की भूमिका से आपातकाल घोषित किया जा सकता था।	राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद की सलाह पर मंत्रिमंडल आपातकाल घोषित करेगा। संसद इसकी निगरानी करेगी।
कानूनी छूट	कानूनी छूट से जुड़े नियमों में बदलाव नहीं किया जा सकता था।	विशेष प्रकिया और अधिक बहुमत से इन नियमों में बदलाव किया जा सकता है।
संविधान में बदलाव	संविधान में बदलाव के लिए अधिक बहुमत और जनमत-संग्रह से जुड़ी शर्तें थीं।	इन बदलावों के लिए संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई सदस्यों का समर्थन जरूरी होगा। कुछ विषयों के लिए अतिरिक्त शर्तें होगीं।
नया संविधान लागू करना	नए संविधान में बदलाव के लिए व्यवस्था नहीं थी।	नए संविधान को लागू करने और पुरानी व्यवस्था से नई व्यवस्था में जाने के लिए योजना होगी।